कुछ अलग

सूबे में हो रहा ग्रामीण शहरों का उदय

बढ़ गए शहर और कम हो गए गांव

पटना | श्रीकांत

राज्य में 224 गांव कम हो गए हैं जबकि पांच हजार से अधिक की आबादी वाले साठ नए ग्रामीण शहर विकसित हो रहे हैं। राज्य की ग्रामीण दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट आई है। इसके उलट शहरों की आबादी दर में लगभग छह प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

गांवों की संख्या में कमी आने का कारण ग्रामीण शहरी क्षेत्रों का विकसित होना बताया जाता है। कारण यह भी है कि शहरी क्षेत्रों से जुड़े ग्रामीण क्षेत्र कस्बाई क्षेत्रों में विकसित हो रहे हैं। राज्य में पंचायतों की संख्या 8463 से घटकर 8442 हो गई है। इसका कारण ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों (नगर निगम और नगर पंचायतों) का गठन होना है। कुछ समय पहले आठ पंचायतों को अवक्रमित भी कर दिया गया था। राज्य में पिछली जनगणना के समय कुल 125 शहरी क्षेत्र थे अब उनकी संख्या बढ़कर 139 हो गई है। राज्य के आठ जिलों पूर्वी चंपारण, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, बेगूसराय, पटना, रोहतास और अरवल आदि जिलों में 14 नगर पंचायत, नगर परिषदों के गठन होने से ऐसे शहरों की संख्या बढ़ी है।

राज्य में गांवों की संख्या अब 44,874 रह गई है। पिछली जनगणना के समय गांवों की संख्या 45,098 थी। राज्य में शहरों की संख्या 130 से 199 हो गई है। राज्य में 1 लाख से अधिक की आबादी वाले 26 नगर और शहरी क्षेत्र समूह हैं। 50 हजार से अधिक की आबादी वाले 23 नगर हैं। 20 हजार से अधिक की आबादी वाले 73 शहर और दस हजार से अधिक की आबादी वाले 15 नगर हैं।

बिहार में नए शहर

	2011	2001
जिला	38	37
उप जिला	101	101
शहर	199	130
प्रशासनिक शहर	139	125
जनगणना शहर	60	05
पंचायत	8442	8463

(आंकड़े : 2011 की जनगणना रिपोर्ट तथा राज्य चुनाव आयोग की रिपोर्ट)